Sl. No. : **10343**

Unique Paper Code: 2303100014

Name of the Paper: Sociology of Symbolism (DSE)

Name of the Course: **B.A. (H) Sociology NEP-UGCF**

Semester: VII

Time: **3 hours** Maximum marks: 90

समय: **3 घंटे** अधिकतम अंक: **90**

**Instructions for Candidates**

1. Attempt any **four** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं। लेकिन पूरे पेपर में माध्यम वही होना चाहिए।

1. In what ways does Barthes expand Saussure's theory to understand cultural systems?
   सांस्कृतिक प्रणालियों को समझने के लिए बार्थेस ने सॉसर के सिद्धांत का विस्तार किस प्रकार किया?
2. How does Lacan link the letter to the structure of the unconscious?
   लाकन पत्र को अचेतन की संरचना से कैसे जोड़ते हैं?
3. Discuss how Levi-Strauss' analysis of myths contribute towards understanding universal cognitive patterns of the human mind.
   लेवी-स्ट्रॉस का मिथकों का विश्लेषण मानव मन के सार्वभौमिक संज्ञानात्मक पैटर्न को समझने में कैसे योगदान देता है, चर्चा करें ।

4. Explain how “discursive formations” in Foucault’s archaeology provide a framework for analysing production of knowledge?
   फूको के अर्कोलॉजी में “डिस्कोर्स संरचनाएँ” ज्ञान के उत्पादन का विश्लेषण करने के लिए किस प्रकार की रूपरेखा प्रदान करती हैं? चर्चा करे ।
5. How does Rotman’s approach to mathematics as a system of signs challenge traditional views of mathematics as purely abstract and objective?
   गणित को संकेतों की एक प्रणाली के रूप में देखने का रोटमैन का दृष्टिकोण, गणित के विशुद्ध रूप से अमूर्त और वस्तुनिष्ठ पारंपरिक दृष्टिकोण को किस प्रकार चुनौती देता है?
6. What is the morphology of the folktales? How does it contribute to meaning according to Propp?
   लोककथाओं की रूपात्मकता क्या है? प्रॉप के अनुसार, यह अर्थ निर्माण में किस प्रकार योगदान देती है?
7. Discuss Uberoi and Tyabji’s notion of Indian modernity as a metaphysics of relationality and the sacred.
   उबेरॉय और तैयबजी की भारतीय आधुनिकता की अवधारणा पर चर्चा करें, जो संबंधपरकता और पवित्रता का तत्वमीमांसा है।